कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–5

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ग) अमेरिका व सोवियत संघ द्वारा
2. (घ) विचारधारात्मक विविधता
3. (ग) उपनिवेशवाद का
4. (ग) एकध्रुवीय
5. (ख) समवर्ती सूची
6. (ख) सीमित किए जा सकते हैं
7. (ग) 1992
8. (ग) मंत्रिपरिषद
9. (ख) 10वीं अनुसूची से
10. (ख) 1967 में
11. (ग) क्षेत्रीय हितों पर
12. (ख) महासभा द्वारा
13. (ग) विदेश नीति से
14. (ग) 1993
15. (ग) संविधान
16. (ग) 42वें संशोधन से
17. (ग) भाग IV
18. (ख) 1945
19. (ख) जनभागीदारी पर
20. (ख) कार्यपालिका का उत्तरदायित्व

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. शक्ति संतुलन से क्या तात्पर्य है?

जब शक्तियाँ एक-दूसरे को संतुलित करें ताकि कोई एक प्रभुत्व न स्थापित कर सके।

22. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक उद्देश्य

विश्व शांति बनाए रखना।

23. एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था क्या है?

जब विश्व में एक ही महाशक्ति का प्रभुत्व हो।

24. समवर्ती सूची का एक उदाहरण

शिक्षा।

25. आपातकाल की घोषणा कौन करता है?

राष्ट्रपति।

26. दल-बदल कानून का एक उद्देश्य

राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना।

27. क्षेत्रीय दल का एक उदाहरण

बहुजन समाज पार्टी।

28. मौलिक अधिकारों का एक महत्व

नागरिकों की स्वतंत्रता की रक्षा।

29. संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख अंग

महासभा।

30. संसदीय शासन प्रणाली का अर्थ

जिसमें कार्यपालिका संसद के प्रति उत्तरदायी होती है।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो नकारात्मक प्रभाव

1. परमाणु हथियारों की होड़।

2. क्षेत्रीय युद्धों और तनाव में वृद्धि।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की दो प्रमुख उपलब्धियाँ

1. उपनिवेशवाद का विरोध और स्वतंत्रता आंदोलनों का समर्थन।
2. विकासशील देशों को एक मंच प्रदान करना।

33. भारतीय संघवाद में राज्यों की भूमिका

राज्य सरकारें राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाती हैं और प्रशासन चलाती हैं। वे संघीय ढांचे को मजबूत करती हैं।

34. गठबंधन राजनीति के दो कारण

1. किसी एक दल को पूर्ण बहुमत न मिलना।
2. क्षेत्रीय दलों का बढ़ता प्रभाव।

35. क्षेत्रीय दलों के बढ़ते प्रभाव के दो कारण

1. भाषाई और सांस्कृतिक पहचान।
2. स्थानीय मुद्दों का महत्व।

36. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शक्तियाँ

यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबंध लगा सकती है और शांति सेना भेज सकती है।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के दौरान गुटनिरपेक्ष आंदोलन की भूमिका

गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने शीत युद्ध के दौरान विकासशील देशों को स्वतंत्र नीति अपनाने का अवसर दिया। इसने दोनों गुटों से दूरी बनाकर विश्व शांति और सहयोग को बढ़ावा दिया।

38. भारतीय संविधान में संघवाद की प्रकृति

भारत में संघीय और एकात्मक दोनों विशेषताएँ हैं। केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन है, परंतु आपातकाल में केंद्र की प्रधानता होती है।

39. भारतीय राजनीति में गठबंधन सरकारों की चुनौतियाँ

नीतिगत मतभेद, अस्थिरता और दल-बदल की समस्या प्रमुख चुनौतियाँ हैं।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता

संयुक्त राष्ट्र आज भी विश्व शांति, मानवाधिकार और विकास कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, यद्यपि वीटो प्रणाली इसकी सीमाओं में से एक है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. शीत युद्ध की उत्पत्ति, विशेषताएँ और प्रभाव

शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक संघर्ष से उत्पन्न हुआ। यह पूंजीवाद और साम्यवाद के बीच प्रतिस्पर्धा थी। इसकी प्रमुख विशेषताएँ थीं—शक्ति संतुलन, हथियारों की होड़, और गुटों का निर्माण (नाटो व वारसा संधि)।

इसके प्रभाव स्वरूप विश्व दो गुटों में विभाजित हुआ। कई क्षेत्रीय युद्ध हुए और परमाणु संकट उत्पन्न हुआ। अंततः 1991 में सोवियत संघ के विघटन के साथ इसका अंत हुआ।

42. भारतीय लोकतंत्र में क्षेत्रीय दलों की भूमिका (आलोचनात्मक अध्ययन)

क्षेत्रीय दल स्थानीय मुद्दों और क्षेत्रीय हितों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाते हैं। इन्होंने गठबंधन युग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सकारात्मक पक्ष – संघीय ढांचे को मजबूती, विविध प्रतिनिधित्व।
नकारात्मक पक्ष – क्षेत्रीयता और अस्थिरता की संभावना।

निष्कर्षतः, क्षेत्रीय दल भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध बनाते हैं, परंतु संतुलन आवश्यक है।